



MULTIDISCIPLINARY INTERNATIONAL SEMINAR ON

"Science, Technology, Social Science in Vedas and other
Philosophies"

(STSVP-2024)



SOUVENIR

19th - 20th December **2024**
○○○○



Organised by

DEPARTMENT OF PHYSICS

C. M. SCIENCE COLLEGE, DARBHANGA

(A Constituent Unit of Lalit Narayan Mithila University, Darbhanga)

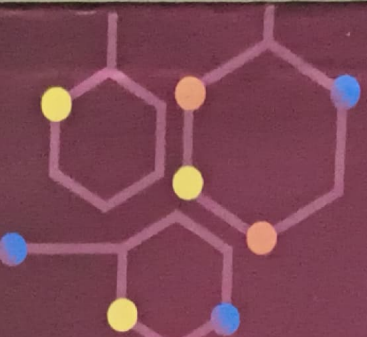


In Association with

Vinayam Research Association

(Regd., under MSME)

Branch of Institution-Dhanbad, Jharkhand



www.vinayamresearch.in



Email: vinayamorg@gmail.com



INTERNATIONAL SEMINAR
SOUVENIR

Multidisciplinary International Seminar
on
“Science, Technology, Social Science in Vedas and other
Philosophies”
(STSVP-2024)

19th -20th December 2024

Organized by



Department of Physics
C. M. SCIENCE COLLEGE, DARBHANGA
(A Constituent Unit of Lalit Narayan Mithila University, Darbhanga, Bihar)

In Association with



Vinayam Research Association
(Regd., under MSME) Branch of Institution-Dhanbad, Jharkhand



किशोरावस्था के बढ़ते स्रोत: विकास, चुनौतियां और समाधान

Smt. Sushma Kumari

Assistant .Prof. Deptt. of Home Science

S.S.M.S. Degree College, Tarhasi

Registration No-CMSC/VIN/INT-SEM/LNMU-024-091

सारांश

किशोरावस्था मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण और परिवर्तनशील चरण है, जिसमें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास होता है। यह समय चुनौतियों और संभावनाओं से भरा होता है, जो किशोरों के समग्र विकास को प्रभावित करता है। इस चरण में विभिन्न स्रोत जैसे परिवार, विद्यालय, सामाजिक नेटवर्क और डिजिटल मीडिया, किशोरों के व्यक्तित्व निर्माण और उनके निर्णय लेने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किशोरावस्था में बढ़ते दबाव, स्वतंत्रता की तलाश और समूह स्वीकृति की लालसा उन्हें गलत संगति और अनुचित व्यवहार की ओर ले जा सकती है। गलत संगति और नकारात्मक प्रभाव किशोरों को अस्वास्थ्यकर आदतों, जैसे नशीले पदार्थों का सेवन, हिंसक व्यवहार, और नियमों की अवहेलना की ओर प्रेरित कर सकते हैं। यह स्थिति उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। परिवार, प्राथमिक सामाजिक इकाई के रूप में, किशोरों को नैतिक मूल्यों और भावनात्मक स्थिरता प्रदान करता है। विद्यालय, शिक्षा और कौशल विकास का प्रमुख केंद्र होने के साथ-साथ, सामाजिक संपर्क और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करता है। डिजिटल मीडिया, जो आज किशोरों के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है, सूचना के अद्भुत स्रोत के साथ-साथ कई खतरों को भी प्रस्तुत करता है, जैसे साइबर बुलिंग और अस्वास्थ्यकर सामग्री तक पहुंच। यह चर्चा किशोरावस्था में बढ़ते स्रोतों, गलत संगति और अनुचित व्यवहार के प्रभावों पर केंद्रित है। साथ ही, इसमें उन समाधानों पर विचार किया गया है जो किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक समायोजन को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं। इन समाधानों में प्रभावी पारिवारिक संवाद, विद्यालयी परामर्श सेवाओं का सुदृढ़ीकरण और डिजिटल साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं।

मुख्य शब्द - किशोरावस्था, विकास, परिवार, विद्यालय, डिजिटल मीडिया, मानसिक स्वास्थ्य, गलत संगति, अनुचित व्यवहार, सामाजिक नेटवर्क, डिजिटल साक्षरता।